ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार की सूची (वर्ष 1965 से 2021 तक)

samanyagyan.com/hindi/gk-gyanpeeth-award-winners

January 27, 2022

ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता (1965 से अब तक): [(Jnanpith (Gyanpith) Award Winners List in Hindi)]

ज्ञानपीठ पुरस्कार किसे कहते है?

भारतीय ज्ञानपीठ न्यास द्वारा 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' भारतीय साहित्य के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार की स्थापना साल 1965 में की गयी थी। देश का कोई भी व्यक्ति जो भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में बताई गई 22 भाषाओं में से किसी भी भाषा में लिखता हो इस पुरस्कार के योग्य है। अब तक हिन्दी तथा कन्नड़ भाषा के लेखक सबसे अधिक 7 बार इस सम्मान को प्राप्त कर चुके हैं। साल 1965 में मलयालम लेखक जी शंकर कुरुप को प्रथम ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

ज्ञानपीठ पुरस्कार के बारें में संक्षिप्त जानकारी:

पुरस्कार का वर्ग	साहित्य
स्थापना वर्ष	1965
पुरस्कार राशि	11 लाख रुपये
प्रथम विजेता	जी शंकर कुरुप (मलयालम)
भारत की प्रथम महिला विजेता	आशापूर्णा देवी (बांग्ला)
आखिरी विजेता	दामोदर माऊज़ो (2021)
विवरण	भारतीय साहित्य के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार

ज्ञानपीठ पुरस्कार में कितनी पुरस्कार राशि दी जाती है?

इसमें पुरस्कार स्वरूप 11 लाख रुपये, प्रशस्तिपत्र और वाग्देवी की कांस्य प्रतिमा प्रदान की जाती है। जब वर्ष 1965 में ज्ञानपीठ पुरस्कार की स्थापना हुई थी, तो उस समय पुरस्कार राशि मात्र एक लाख रुपये थी। वर्ष 2005 में पुरस्कार राशि को एक लाख रुपये से बढाकर सात लाख रुपये कर दिया गया, जो वर्तमान में ग्यारह लाख रुपये हो चुकी है।

57वां ज्ञानपीठ पुरस्कार 2021:

दामोदर माऊज़ो गोवा के उपन्यासकार, कथाकार, आलोचक और निबन्धकार हैं। इनके द्वारा रचित एक उपन्यास कार्मेलिन के लिये उन्हें सन् 1983 में साहित्य अकादमी पुरस्कार (कोंकणी) से सम्मानित किया गया था।

56वां ज्ञानपीठ पुरस्कार 2020:

मलयालम के प्रमुख कवि अक्कीथम को 56वें ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए चुना गया था। ज्ञानपीठ चयन बोर्ड ने एक बैठक में 56 वें ज्ञानपीठ पुरस्कार 2019 के लिए मलयालम के प्रसिद्ध भारतीय कवि अक्कीथम को चुना था। अक्कीथम का नाम मलयालम कविता जगत में आदर के साथ लिया जाता है। उनका जन्म 1926 में हुआ था और पूरा नाम अक्कीथम अच्युतन नम्बूदिरी है और वह अक्कीथम के नाम से लोकप्रिय हैं।

उन्होंने 55 पुस्तकें लिखी हैं जिनमें से 45 कविता संग्रह है। पद्म पुरस्कार से सम्मानित अक्कीथम को सहित्य अकादमी पुरस्कार, केरल साहित्य अकादमी पुरस्कार (दो बार) मातृभूमि पुरस्कार, वायलर पुरस्कार और कबीर सम्मान से भी नवाजा जा चुका है।

वर्ष 1965 से अब तक ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेताओं की सूची:-

वर्ष	ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार
2021	दामोदर माऊज़ो (कोंकणी)
2020	नीलामणि फूकन (असामी)
2019	अक्कीतम अच्युतन नंबूदिरी (मलयालम)
2018	अमिताव घोष (अंग्रेजी)
2017	कृष्णा सोबती (हिन्दी)
2016	शंख घोष (बांग्ला)
2015	रघुवीर चौधरी (गुजराती)
2014	भालचन्द्र नेमाड़े (मराठी) एवं रघुवीर चौधरी (गुजराती)
2013	केदारनाथ सिंह (हिन्दी)
2012	रावुरी भारद्वाज (तेलुगू)
2011	प्रतिभा राय (ओड़िया)
2010	चन्द्रशेखर कम्बार (कन्नड)
2009	अमरकान्त व श्रीलाल शुक्ल (हिन्दी)
2008	अखलाक मुहम्मद खान शहरयार (उर्दू)
2007	ओ.एन.वी. कुरुप (मलयालम)
2006	रवीन्द्र केलकर (कोंकणी) एवं सत्यव्रत शास्त्री (संस्कृत)
2005	कुँवर नारायण (हिन्दी)
2004	रहमान राही (कश्मीरी)
2003	विंदा करंदीकर (मराठी)
2002	दण्डपाणी जयकान्तन (तमिल)
2001	राजेन्द्र केशवलाल शाह (गुजराती)

वर्ष	ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार
2000	इंदिरा गोस्वामी (असमिया)
1999	निर्मल वर्मा (हिन्दी) एवं गुरदयाल सिंह (पंजाबी)
1998	गिरीश कर्नाड (कन्नड़)
1997	अली सरदार जाफरी (उर्दू)
1996	महाश्वेता देवी (बांग्ला)
1995	एम.टी. वासुदेव नायर (मलयालम)
1994	यू.आर. अनंतमूर्ति (कन्नड़)
1993	सीताकांत महापात्र (ओड़िया)
1992	नरेश मेहता (हिन्दी)
1991	सुभाष मुखोपाध्याय (बांग्ला)
1990	वी.के.गोकक (कन्नड़)
1989	कुर्तुल एन. हैदर (उर्दू)
1988	डॉ. सी नारायण रेड्डी (तेलुगु)
1987	विष्णु वामन शिरवाडकर कुसुमाग्रज (मराठी)
1986	सच्चिदानंद राउतराय (ओड़िया)
1985	पन्नालाल पटेल (गुजराती)
1984	तक्षी शिवशंकरा पिल्लई (मलयालम)
1983	मस्ती वेंकटेश अयंगर (कन्नड़)
1982	महादेवी वर्मा (हिन्दी)
1981	अमृता प्रीतम (पंजाबी)
1980	एस.के. पोट्टेकट (मलयालम)
1979	बिरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य (असमिया)
1978	एच. एस. अज्ञेय (हिन्दी)
1977	के. शिवराम कारंत (कन्नड़)
1976	आशापूर्णा देवी (बांग्ला)
1975	पी.वी. अकिलानंदम (तमिल)
1974	विष्णु सखा खांडेकर (मराठी)

वर्ष	ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार
1973	दत्तात्रेय रामचंद्र बेन्द्रे (कन्नड़) एवं गोपीनाथ महान्ती (ओड़िया)
1972	रामधारी सिंह दिनकर (हिन्दी)
1971	विष्णु डे (बांग्ला)
1970	विश्वनाथ सत्यनारायण (तेलुगु)
1969	फ़िराक गोरखपुरी (उर्दू)
1968	सुमित्रानंदन पंत (हिन्दी)
1967	के.वी. पुत्तपा (कन्नड़) एवं उमाशंकर जोशी (गुजराती)
1966	ताराशंकर बंधोपाध्याय (बांग्ला)
1965	जी शंकर कुरुप (मलयालम)

ज्ञानपीठ पुरस्कार - अक्सर पूछे जाने वाले महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर:

प्रश्न: ज्ञानपीठ पुरस्कार की स्थापना कब हुई थी?

उत्तर: 1965 में

प्रश्न: ज्ञानपीठ पुरस्कार की राशि कितनी होती है?

उत्तर: 11 लाख रूपये

प्रश्न: 1998 में अमर्त्य सेन को किस क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार मिला था?

उत्तर: अर्थशास्त्र के क्षेत्र में

प्रश्न: ज्ञानपीठ अवार्ड किस क्षेत्र में दिया जाता है?

उत्तर: साहित्य

प्रश्न: किन्हे ज्ञानपीठ पुरस्कार से पहली बार सम्मानित किया गया?

उत्तर: जी शंकर कुरूप को

प्रश्न: भारत की प्रथम विजेता महिला कौन थी, जिन्होने ज्ञानपीठ पुरस्कार जीता था?

उत्तर: आशापूर्णा देवी

प्रश्न: साल 1980 में कृष्णा सोबती को उनके उपन्यास 'जिंदगीनामा' के लिए कौन सा पुरस्कार मिला?

उत्तर: साहित्य अकादेमी पुरस्कार

प्रश्न: कृष्णा सोबती को वर्ष 1996 में कौन से पुरस्कार से नवाजा गया?

उत्तर: साहित्य अकादेमी फैलोशिप